Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

बहुविकल्पी प्रश्न

1. निम्न में से कौन सा पत्तन कृत्रिम है?

(अ) चेन्नई (ब) मुंबई

(स) पारादीप (द) मार्मागाओ

2. चेन्नई पत्तन का विकास कब किया गया?

(अ) 1852 ई. (ब) 1859 ई.

(स) 1856 ई. (द) 1858 ई.

3. कोलकाता पत्तन किस नदी पर स्थित है?

(अ) नर्मदा (ब) कृष्णा

(स) गंगा (द) हुगली

4. 1951 ई० में भारत के पतनों की नौभार निपटान की क्षमता 20 मिलियन टन से बढ़कर 2008-09 में कितनी हो गई है?

(अ) 550 मिलियन टन से अधिक (ब) 686 मिलियन टन से अधिक

(स) 586 मिलियन टन से अधिक (द) 650 मिलियन टन से अधिक

5. निम्न में से कौन-सा समुद्री पत्तन है?

(अ) मुंबई (ब) ग्वालियर

(स) सूरत (द) अहमदाबाद

6. एन्नोर पतन का निर्माण किस पत्तन के दबाव को कम करने के लिए किया गया है?

(अ) विशाखापट्टनम पत्तन (ब) तमिलनाडु पत्तन

(स) हल्दिया पत्तन (द) पारादीप पत्तन

7. भारत में किस दशक में खाद्यान्नों की कमी थी?

(अ) वर्ष 1940 (ब) वर्ष 1930

(स) वर्ष 1950 (द) सभी विकल्प सही है

8. निम्नलिखित में से कौन-सा बंदरगाह भारत के पूर्वी तट पर स्थित है ?

(अ) कांडला (ब) कोच्चि

(स) न्यूमंगलौर (द) चेन्नई

9. भारत का सबसे बड़ा प्राकृतिक पत्तन कौन सा है?

(अ) हल्दिया (ब) कोलकाता

(स) कांडला (द) मुंबई

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. भारत के प्रमुख पत्तनों की कुल संख्या है-

(अ) 9 (ब) 12

(स) 10 (द) 11

रिक्त स्थान :

11. वर्ष 2021-22 में भारत का कुल निर्यात मूल्य _____ करोड़ रुपये था।

12. भारत के प्रमुख निर्यात बंदरगाहों में _____, _____ और विशाखापत्तनम शामिल हैं।

सत्य / असत्य

13. भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार समुद्री मार्गों द्वारा किया जाता है।

14. 1950-51 में भारत का कुल निर्यात मूल्य 77,19,796 करोड़ रुपये था।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. कोलकाता बंदरगाह की संकुलता घटाने के लिए बनाए गए समुद्री बंदरगाह का नाम बताइए।

16. व्यापार असंतुलन से क्या अभिप्राय है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. आयात और निर्यात में अंतर स्पष्ट कीजिए।

18. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के विकास के लिए प्रकृति ने भारत को कौन-सी सुविधाएँ प्रदान की हैं?

निबंधात्मक प्रश्न

19. विदेशी व्यापार का क्या अभिप्राय है? भारत में आयात की जाने वाली दो वस्तुओं का उल्लेख कीजिए।

20. कांडला पत्तन का वर्णन निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत कीजिए।

i. स्थिति एवं पृष्ठ प्रदेश

ii. निर्यात एवं आयात

HOTS

21. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार क्या है? अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अस्तित्व में क्यों है? स्पष्ट कीजिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

अध्याय-8 | अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

Worksheet-1
उत्तरमाला

1. (अ) उपरोक्त सभी में चेन्नई एक कृत्रिम पत्तन है शेष अन्य प्राकृतिक पत्तन है।
2. (ब) 1859 ई.
3. (द) हुगली।
4. (स) 1951 ई० में भारत के पतनों की नौभार निपटान की क्षमता 20 मिलियन टन से बढ़कर 586 मिलियन टन से अधिक हो गई है।
5. (अ) मुंबई।
6. (ब) एन्नोर पतन का निर्माण तमिलनाडु पतन के दबाव को कम करने के लिए किया गया है तथा यह नया विकसित पत्तन है।
7. (स) वर्ष 1950।
8. (द) चेन्नई
9. (द) मुंबई भारत का सबसे बड़ा प्राकृतिक पत्तन है।
10. (ब) भारत के प्रमुख पत्तनों की कुल संख्या 12 है।
11. **रिक्त स्थान :** 31,47,021
12. **रिक्त स्थान :** मुंबई, कोलकाता
13. **सत्य / असत्य :** सत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. हल्दिया बंदरगाह के निर्माण का उद्देश्य कोलकाता बंदरगाह की संकुलता को कम करना था। इस पत्तन से लौह अयस्क, कोयला, पेट्रोलियम, उर्वरक एवं जूट का आयात-निर्यात किया जाता है।
16. किसी देश द्वारा एक निश्चित समयावधि में आयातित वस्तुओं के मौद्रिक मूल्य उसके द्वारा निर्यातित वस्तुओं के मौद्रिक मूल्य से अधिक होता है, तो उसे व्यापार असंतुलन कहते हैं।
17. आयात और निर्यात में निम्नलिखित अंतर हैं —

आयात	निर्यात
किसी देश में दूसरे देश से वस्तुओं को मँगवाना आयात कहलाता है।	किसी देश का दूसरे देश में वस्तुओं को भेजना (बेचना) निर्यात कहलाता है।
आयात करने वाले देश में वस्तुओं की कमी पाई जाती है।	निर्यात करने वाले देश में वस्तुओं की अधिकता पाई जाती है।
आयात करने वाले देश को वस्तुओं की खरीद पर पूँजी खर्च करनी पड़ती है।	निर्यात करने वाले देश को वस्तुओं के विक्रय में विदेशी पूँजी की प्राप्ति होती है।

18. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं या क्षेत्रों के आर-पार पूंजी, माल और सेवाओं का आदान-प्रदान है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सभी देशों के लिए परस्पर लाभदायक हैं, चूंकि कोई भी देश आत्मनिर्भर नहीं है। भारत की भूमि तीन ओर से समुद्र से घिरी होने के कारण प्रकृति ने भारत को 7500 किमी लंबी तट रेखा प्रदान की है, जिस पर 12 आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय पत्तनों व 185 छोटे व मझोले पत्तनों का विकास हुआ है। भारत की भूमि प्राकृतिक संसाधनों से पर्याप्त रूप से संपन्न है, तकनीकी व प्रौद्योगिकी के आधार पर भी भारत प्रगति कर रहा है। इन सभी कारणों से भारत का विदेशी व्यापार लगातार वृद्धि कर रहा है।
19. जब एक देश से दूसरे देश को वस्तुओं या सेवाओं का क्रय-विक्रय किया जाता है, तो उसे विदेशी व्यापार कहा जाता है। यह दो भागों में बँटा होता है- आयात और निर्यात। जब विदेशी वस्तुएँ या सेवाएँ खरीदी जाती हैं, तो उसे आयात कहते हैं, जबकि जब वस्तुएँ या सेवाएँ विदेशों को बेची जाती हैं, तो उसे निर्यात कहा जाता है।

भारत के प्रमुख आयात : भारत के विदेशी व्यापार में आयात की मुख्य वस्तुएँ निम्नलिखित हैं—

i. **खनिज तेल:** भारत की पेट्रोलियम आवश्यकताओं का केवल लगभग 25% घरेलू उत्पादन से पूरा होता है। शेष खनिज तेल को कुवैत, ईरान, इराक, सऊदी अरब, बहरीन और म्यांमार से आयात करना पड़ता है।

पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

ii. **मशीनरी और परिवहन उपकरण:** औद्योगिक विकास के लिए भारत को विभिन्न प्रकार की मशीनें और यंत्र विदेशों से मँगाने होते हैं। जापान, इटली, फ्रांस, जर्मनी, रूस, अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन मुख्य आपूर्तिकर्ता देश हैं।

iii. **लौह और अन्य धातुएँ:** आयात व्यापार में धातुओं का भी प्रमुख स्थान है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, स्वीडन, सिंगापुर और कांगो से ये धातुएँ मँगाई जाती हैं।

iv. **उर्वरक और रासायनिक पदार्थ:** कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए उर्वरक, रासायनिक पदार्थ और रंगों का आयात भी आवश्यक है। इनका आयात अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान और कनाडा जैसे देशों से किया जाता है।

20. **स्थिति एवं पृष्ठ प्रदेश:** भारत के पश्चिमी तट पर स्थित कांडला बंदरगाह देश का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण और व्यस्त पत्तन है। यह बंदरगाह स्वतंत्रता के बाद, कराची बंदरगाह के पाकिस्तान में जाने के बाद, उसके विकल्प के रूप में विकसित किया गया। गुजरात के पश्चिमी तट पर अरब सागर के तटीय क्षेत्र में स्थित कांडला की भौगोलिक स्थिति इसे आर्थिक और सामरिक दृष्टि से अत्यधिक महत्त्वपूर्ण बनाती है।

भुज से लगभग 48 किमी दूर कच्छ की खाड़ी में स्थित यह बंदरगाह, पश्चिमी देशों से निकटता के कारण, भारत सरकार द्वारा 1965 में इसे मुक्त व्यापार क्षेत्र घोषित किए जाने के बाद अत्यधिक व्यापारिक वृद्धि का केंद्र बन गया।

पृष्ठ प्रदेश: कांडला बंदरगाह का पृष्ठ प्रदेश विस्तृत है और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, और गुजरात तक फैला है। इन क्षेत्रों के साथ इसकी निकटता ने बंदरगाह के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

निर्यात एवं आयात: कांडला से प्रमुख निर्यात वस्त्र, कपास, नमक, मछलियाँ, नारियल, चमड़े के सामान, तिलहन, मैंगनीज और अभ्रक हैं। वहीं आयात की गई वस्तुओं में पेट्रोलियम, लौह-इस्पात, मशीनरी, कोयला, सीमेंट और रासायनिक उत्पाद प्रमुख हैं।

21. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं, पूंजी और प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान है। यह व्यापार विभिन्न देशों की प्राकृतिक संसाधनों, श्रम, प्रौद्योगिकी, और उत्पादन क्षमताओं में भिन्नताओं के कारण अस्तित्व में है। हर देश को सभी वस्तुएं और सेवाएं समान रूप से उपलब्ध नहीं होतीं, इसलिए वे दूसरों से आयात करते हैं और अपने पास उपलब्ध वस्तुओं का निर्यात करते हैं। इसके अलावा, व्यापार से देशों को आर्थिक लाभ, नए बाजार और संसाधनों की बेहतर उपलब्धता मिलती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App